Roll No:- 39
Class No:- 3 Question No:- 1

➢➢ *शक्तियों के 3 मुख्य गुण - गुणों का त्रिकोण*

➳ _ ➳ *सरलता (SIMPLICITY)* - _दादी प्रकाशमणि जी_

→ मन वचन कर्म में किसी तरह की *जटिलता (COMPLEXITY) न हो*

→ *ट्रैफिक कण्ट्रोल* के समय मन में आने वाले *संकल्प* ही हमारी *स्थिति का आइना* है

➳ _ ➳ *सहनशीलता (TOLERENCE)* - _दादी जानकी जी_

→ अगर सरलता के साथ कुछ सहन करना पड़े तो *सरलता क्रोध में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए*

→ _सहनशीलता के बिना सरलता का गुण टिक नहीं सकता_

➳ _ ➳ *मधुरता (SWEETNESS)* - _दादी गुलज़ार जी_

→ सबसे पहले *बोल ही प्रतक्ष्य होते हैं*

→ बोल का आधार *आंतरिक भावनाएं होती हैं*

→ *PURIFICATION OF FEELINGS बहुत गहरी साधना है...* यह कार्य ज्ञान बल से नहीं... *योग बल से होगा..*

→ *भावनाओं के शुद्धीकरण के बिना अध्यात्म में उन्नति नहीं हो सकती है*

➢➢ *ज्वाला कर्तव्य / अग्नि / BRIGHT / PURE*

➳ _ ➳ *विकार , विकल्प , विकर्म की समाप्ति*

➳ _ ➳ सभी *कमी कमजोरियों को नष्ट करना*

➳ _ ➳ ऐसा कर्तव्य जिसमे धधकती हुई *वैराग की अग्नि* हो

➳ _ ➳ ऐसे कर्तव्य जिसे देखकर *दूसरों के भी विकारी संस्कार दब जाएँ*

➢➢

➳ _ ➳

→

➳ _ ➳

→

➢➢

➳ _ ➳